



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 165]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 19, 1977/वैशाख 29, 1899

No. 165]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 19, 1977/VAISAKHA 29, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 19th May 1977

**G.S.R. 244(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts underwater batteries falling under Item No 31 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) manufactured for use by the Indian Navy from the whole of the duty of excise leviable thereon;

Provided that—

- (1) the manufacturer shall inform the Assistant Collector of Central Excise in writing at least forty-eight hours before removal of each such battery from his factory, and
- (2) the concerned officer of the Indian Navy or the Directorate of Production and Inspection (Naval), not below the rank of a Commander, furnishes a certificate before removal that such battery is required for fitting to a submarine vessel of the Indian Navy and shall be so used.

*Explanation*—In this notification, the expression “underwater battery” means a lead acid battery consisting of cells connected in series or parallel combination to provide power to submarine vessels.

[No. 92/77]

L. C. MITTAL, Dy. Secy,

## राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 19 मई, 1977

सा० का० नि० 244(अ) .—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद स० 31 के अन्तर्गत सम्मिलित अन्तर्जलीय बैटरियों को, जो भारतीय नौ सेना के प्रयोग के लिए हों, उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है .

परन्तु यह तब जब—

- (1) विनिर्माता सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर को अपने कारखाने में से ऐसी प्रत्येक बैटरी के हटाये जाने के कम से कम अड़तालिस घण्टे पूर्व लिखित में सूचना दे, और
- (2) भारतीय नौ सेना का अथवा उत्पादन और निरीक्षण निदेशालय (नौ सनिक) का कमाण्डर में अन्यून रेक का संबंधित आफिसर हटाये जाने में पूर्व इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ऐसी बैटरी भारतीय नौ सेना के सबमैरीन यानों में लगाने के लिए अपेक्षित है ।

स्पष्टीकरण .—इस अधिसूचना में “अन्तर्जलीय बैटरी” पद से सीसा अम्ल की वह बैटरी अभिप्रेत है जिसमें श्रु खलायद्ध जोड़े हुए अथवा समानान्तर योजकों के सैल, सबमैरीन यानों के लिए शक्ति प्रदान करने के लिए है ।

[सं० 92/77]

सक्ष्मी चन्द मित्तल, उप सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977